गुजरात में डाक व तार सेवाओं में सुधार किया जाना

7917. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल :**

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गुजरात में डाक और तार सेवाओं में सुधार करने और उन्हें अधिक आधुनिक बनाने के लिये कोई योजना बनाई है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस सुधार और आधुनिकीकरण कार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है और चालू वर्ष के वित्तीय बजट में इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि आवंटित की गई है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) देश में, गुजरात सहित, डाक सेवाओं में सुधार करने और आधुनिकीकरण के कार्यक्रम में निम्नलिखित बातों पर जोर दिया गया है:—

(i) उपभोक्ताओं को अधिक कार्य कुशल और उत्तरदायी सेवा प्रदान करने तथा कर्मचारियों के लिये कार्य का बेहतर वातावरण बनाने के लिये कम्प्यूटर-आधारित काउंटर मशीनों की शुरूआत ।

(ii) प्रचालन कार्य की कार्य कुशलता बढ़ाने के लिये उन्नत प्रचालन-उपस्करों की व्यवस्था ।

(iii) कम्प्यूटर-आधारित काउंटर मशीनों का अधिक से अधिक लाभ उठाकर चुने हुये महत्वपूर्ण डाकघरों में काउंटर पर किये जाने वाले कार्यों और फ्रंट आफिसेज का आधुनिकीकरण ।

(iv) विशिष्ट उपभोक्ताओं-आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये उपग्रह मनीआर्डर सेवा, हाईब्रिड मेल सर्विस, कारपोरेट मनीआर्डर सेवा, आदि जैसी नई मूल्यवर्धित सेवाओं की व्यवस्था ।

(v) प्रयोक्ताओं को निर्धारित श्रेणी के लिये राजधानी चैनल, मैट्रो चैनल, बिजनेस चैनल, एक्सप्रेस पार्सलसेवा, आदि के जरिये काउंटर प्रबंधन और पद्धतियों को युक्तिसंगत बनाकर डाक की कार्यकुशल प्रोसेसिंग और वितरण सुनिश्चित करना । इन अलग-अलग चैनलों के माध्यम से डाक-मदों की प्रोसेसिंग में समय निष्ठता आती है और निश्चित समय-अनुसूची के अनुसार वितरण सुनिश्चित होता है ।

संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त इंजीनियरिंग सहायता और कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने की जरूरत, जिसके लिये विभाग ने सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किये हैं, को ध्यान में रखते हुए डाक-प्रणाली में सुधार और आधुनिकीकरण के कार्यक्रम चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित किये जा रहे हैं ।

गुजरात में, 1994–95 के दौरान, 61 डाकघरों में कम्प्यूटर-आधारित काउंटर मशीनों के साथ 141 डाक काउंटर शुरू किये गये, और 7 डाकघरों में काउंटर कार्यों और फ्रंट आफिसेज का पूरी तरह आधुनिकीकरण किया गया । चालू वर्ष के दौरान, गुजरात में, 40 से अधिक डाकघरों में लगभग 150 और डाक काउंटरों को कम्प्यूटर-आधारित काउंटर मशीनें प्रदान की जानी हैं । गुजरात में, 1995–96 में, काउंटर कार्यों और फ्रंट आफिस के पूर्ण कम्प्यूटरीकरण के कार्यक्रम में 23 डाकघरों को शामिल करने की योजना बनाई गई है । गुजरात में चालू वर्ष के दौरान, वैरी स्माल अपरचर टर्मिनल वीएसएटी) नेटवर्क का विस्तार करके 2 सेंटर अहमदाबाद और सूरत में स्थापित किये जायेंगे । ये कार्यक्रम लगभग 2.15 करोड़ रुपये की बजटीय व्यवस्था द्वारा कार्यान्वित किये जाने हैं ।

जहां तक, तार सेवाओं का संबंध है,

गुजरात राज्य में, तार सेवाओं का आधुनिकीकरण करने के लिये निम्नलिखित कदम उठाये जा रहे हैं:—

(i) अहमदाबाद और राजकोट में क्रमश: एक स्टोर एंड फारवर्ड मैसेज स्विचिंग सिस्टम–128 लाइन (एसएफएमएसएस–128) और एक एसएफएमएस–32 प्रणाली स्थापित की गई है।

(ii) सूरत में एक टेलीप्रिंटर कंसट्रेटर और अहमदाबाद में एक फोनोग्राम कंसट्रेटर स्थापित किया गया है।

(iii) अहमदाबाद, बड़ोदरा, भरुच, राजकोट, जामनगर, आनन्द, भावनगर, गोधरा और सूरत में इलेक्ट्रानिक की-बोर्ड कंसट्रेटर्स स्थापित करने की योजना है।

(iv) राजकोट, बडोदरा, और भावनगर में टेलीप्रिंटर कंसट्रेटर स्थापित करने की योजना है।

(v) 72 टर्मिनलों के साथ 8 इलेक्ट्रानिक की बोर्ड कंसट्रेटर का भी प्रस्ताव है।

गुजरात में, तार सेवाओं में सुधार और आधुनिकीकरण का कार्य वर्ष 1996–97 तक पूरा हो जाने की आशा है। वर्ष 1995–96 के दौरान ईकेबीसी।इकेबी प्राप्त करने के लिये 24 लाख रुपये का आबंटन किया गया है।

दूरसंचार तंत्र (नेटवर्क) का विस्तार कार्यक्रम

7918. **श्री संघ प्रिय गौतम :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आगामी तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक राज्य में दूरसंचार तंत्र (नेटवर्क) का विकास और विस्तार करने के लिए सरकार को प्रतिवर्ष कितनी-कितनी धनराशि की जरुरत पड़ेगी :

(ख) क्या स्वीडन सहित अन्य देश दूरसंचार नेटवर्क के विस्तार कार्यक्रम में भारत की सहायता करने पर सहमत हो गये हैं ;

(ग) क्या इस संबंध में कोई समझौता किया गया है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में किन-किन देशों ने दिलचस्पी दिखाई है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) आठवीं पंचवर्षीय योजना की मध्यावधि पुनरीक्षा के आधार पर आगामी दो वर्ष के लिए परिकल्पित निवेश इस प्रकार हैं :—

95–96	–	7838.80 करोड़ रु०
96–97	–	9000.00 करोड़ रु०

नवीं योजना के प्रथम वर्ष अर्थात् 97–98 के लिए योजना के आकार को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। राज्यों के लिए विस्तार कार्यक्रम, संसाधनों की उपलब्धता और मांग के अनुरूप साल-दर साल आधार पर बनाए जाते हैं एवं तदनुसार अपेक्षित राशि निर्धारित की जाती है।

(ख) से (घ) दूरसंचार नेटवर्क के विस्तार कार्यक्रम के लिए स्वीडन सहित अन्य देशों से सहायता प्राप्त नहीं हुई है। तथापि, दूरसंचार विभाग ने अन्य देशों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं। ये समझौता ज्ञापन सामान्य प्रकृति के हैं और इनमें, अनुसंधान और विकास, प्रशिक्षण, विशेषज्ञों का आदान-प्रदान, दूरसंचार सॉफ्टवेयर आदि जैसे दूरसंचार क्षेत्र में दोनों तरफ से सहयोग की परिकल्पना की गई है।

CAT's direction to the Department of Posts in Delhi

7919. SHRI JANARDAN YADAV: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the number and the details of cases in which the Central Administrative Tribunal, Principal Bench, had